



अगर आप सभी नियमों का पालन करेंगे तो आप सारा मजा खो देंगे।

डाटम-पाटम फॉल में नहाने गए दो युवक गहरे पानी में डूबे, तलाश जारी

लातेहार। जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध डाटम-पाटम फॉल में रविवार को नहाने गए चार युवकों में से दो युवक गहरे पानी में डूब गए। लापता युवकों की पहचान बालुमाथ थाना क्षेत्र निवासी आकिब कुरैशी और पलामू जिले के पांकी निवासी आसिफ अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू की गई। देर शाम अंधेरा होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हो रही थी। जानकारी के अनुसार, चारों युवक रविवार को घूमने के लिए डाटम-पाटम फॉल पहुंचे थे। इसी दौरान वे नहाने के लिए पानी में उतर गए। नहाते समय आकिब कुरैशी और आसिफ अंसारी गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देख लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की गहराई अधिक होने के कारण दोनों युवक लापता हो गए। इधर घटना की सूचना मिलने पर हेरहंज थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की सहायता से दोनों युवकों की तलाश शुरू कराई जा रही है। हालांकि, देर शाम तक उनका कोई पता नहीं चल पाया था। थाना प्रभारी ने बताया कि लापता युवकों की तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

झारखंड सरकार की नीतियों के खिलाफ संघर्ष तेज करने का संकल्प

रांची। रांची के सुकुरहुट्ट स्थित हवेली बैंक्वेट हॉल में आयोजित भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन रविवार को राजनीतिक प्रस्ताव-2 को पटल पर रखा गया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस राजनीतिक प्रस्ताव-2 को प्रस्तुत किया, जबकि इस प्रस्ताव का अनुमोदन पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, मधु कोड़ा, विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी एवं मंजू कुमारी ने किया।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में हेमंत सरकार की जनविरोधी नीतियों से जुड़े मुद्दों को विस्तार से उठाते हुए राजनीतिक प्रस्ताव-2 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। कार्यसमिति का यह राजनीतिक प्रस्ताव-2 हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार की हर मोर्चे पर विफलता, चुनावी वादाखिलाफी, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा में नाकामी, घुसपैठ, खनिज संपदाओं की लूट, युवाओं-छात्राओं के साथ धोखा एवं आदिवासियों के उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों पर केंद्रित है। प्रस्ताव में राज्य सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, युवाओं एवं छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ और जनहित की अनदेखी के विरुद्ध संघर्ष को तेज करने का संकल्प व्यक्त किया गया। दो



दिनों के गहरे मंथन और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले मार्गदर्शन के बाद नई ऊर्जा एवं उत्साह से भाजपा कार्यकर्ता पूरी तरह लबरेज दिखे। राजनीतिक प्रस्ताव पेश करते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राजनीतिक प्रस्ताव में लिखित बातों को लेकर कोई भी राजनीतिक दल जनता की बीच जाती है। मरांडी ने कहा कि देश के आजादी की लड़ाई में झारखंड के सभी इलाकों में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने महती भूमिका निभाई और कुर्बानियां दीं। वे सभी जल, जंगल, जमीन और न्याय की लड़ाई लड़ी। लेकिन कांग्रेस ने देश में एक लंबे समय तक सरकार चलाई और आज भी झारखंड में उनकी ही सरकार है, ये लोग जल, जंगल और जमीन का सिर्फ नारा दिया, लेकिन किसी ने महापुरुषों को सम्मानित नहीं किया।

अगर इन महानायकों को भाजपा के अटल बिहारी बाजपेयी और नरेंद्र मोदी की सरकार ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के योद्धा और अगुआ रहे भगवान बिरसा मुंडा की शहादत को देश की जनता को जानकारी हो इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर उनको सम्मान दिया। वहीं धरती आबा को कांग्रेस ने कहीं भी एक जगह तक नहीं दी, जहां उनका संग्रहालय या स्मारक बनाया जा सके। भाजपा की सरकार ने उन्हें सम्मान देते हुए रांची हवाई अड्डा का नामकरण उनके नाम पर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने बिरसा मुंडा की जन्मस्थली जाकर उनको नमन किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राजनीतिक प्रस्ताव अनिवार्य है, क्योंकि वर्तमान

सरकार की लूट, अराजकता को जवाब देना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य सिर्फ लूट और भ्रष्टाचार को अंजाम देना है। हर योजना में लूट मची हुई है। विधवाओं और वृद्धजनों का पेंशन तक बंद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य की 10 हजार प्राथमिक स्कूलों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। यह सरकार आज हर क्षेत्र में फेल हो चुकी है। इस सरकार ने अबुआ आवास, हरा राशन कार्ड को भी आज बन्द कर दिया है। राज्य का अंचल कार्यालय लूट का अड्डा बना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि झारखंड की हेमन्त सोरेन की सरकार ने लोकतंत्र को लूटतंत्र में बदल दिया है। इस बात को इस राजनीतिक प्रस्ताव में प्रमुखता से इस बात को रेखांकित किया गया है उसका हम सभी भरपूर समर्थन करते हैं। भाजपा के

कार्यकर्ताओं ने छात्रों के समर्थन में सरकार से टकराने का काम किया, जिसका परिणाम रहा कि सरकार की ओर से वार्ता की गई और छात्रों पर झूठे मुकदमे दर्ज होना बन्द हुआ। इस अबुआ सरकार में सबसे ज्यादा आदिवासी समाज पीड़ित है। प्रस्ताव के समर्थन में गढ़वा के विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी और मंजू कुमारी ने भी झारखंड की वर्तमान सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य की जनता इस सरकार के कुशासन से मुक्त होना चाहती है।

प्रस्ताव की मुख्य बातें

प्रस्ताव में कहा गया है कि झारखंड के अमर बलिदानियों की पावन धरती आज झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार के कुशासन, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बदहाल कानून-व्यवस्था से आहत है। भाजपा के संघर्ष और जनआकांक्षाओं से

अस्तित्व में आए झारखंड की अस्मिता को वर्तमान सरकार की वादाखिलाफी और जनविरोधी नीतियों ने गहरी चोट पहुंचाई है। भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, बुनियादी सुविधाओं का अभाव और प्रशासनिक संवेदनहीनता ने जनता की उम्मीदों को झकझोर दिया है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति इस जनविरोधी सरकार के विरुद्ध जनआवाज को बुलंद करते हुए व्यापक जनसंघर्ष का संकल्प लेती है। भाजपा का दृढ़ विश्वास है कि झारखंड का भविष्य भ्रष्टाचार और कुशासन में नहीं, बल्कि सुशासन, रोजगार, बेहतर शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था और पारदर्शी प्रशासन में निहित है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब विकसित झारखंड का संकल्प पूरा होगा। प्रस्ताव में झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार पर तीखा हमला बोलेते हुए कहा गया कि वर्ष 2019 से झारखंड की सत्ता में काबिज सरकार ने जनता को विकास के सपने दिखाए, लेकिन धरातल पर निराशा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ही मिला। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पेयजल और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाएं बदहाल हैं। गरीब, आदिवासी, दलित, पिछड़े, महिलाएं, किसान और युवा सरकार की वादाखिलाफी से परेशान हैं। कार्यसमिति ने आरोप लगाया कि पांच लाख नौकरी प्रतिवर्ष, बेरोजगारी भत्ता, हर घर में सरकारी

नौकरी, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, किसानों को ₹3,200 प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य और महिलाओं को सम्मान राशि देने जैसे वादे पूरे नहीं हुए। छात्रवृत्ति, पेंशन, जाति प्रमाण पत्र और विस्थापितों को न्याय जैसे मुद्दों पर भी सरकार की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। राज्य में पलायन और मानव तस्करी की समस्या भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। कार्यसमिति ने विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और बजट खर्च को लेकर भी राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। भाजपा का आरोप है कि पर्याप्त बजटीय प्रावधान के बावजूद विकास कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं दिख रही है। निवेश, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास के मोर्चे पर भी सरकार की उपलब्धियां निराशाजनक हैं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति ने पिछड़ा वर्ग आयोग से संबंधित ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया अविलंब पूरी कराने और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समय पर संपन्न कराने की मांग की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, राष्ट्रीय मंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, प्रदेश सह-प्रभारी निवेदिता सिंह, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, रवींद्र कुमार राय, दिनेशानंद गोस्वामी एवं यदुनाथ पाण्डेय सहित अन्य नेता मौजूद थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों के साथ सुनी मन की बात-बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, लगाया रुद्राक्ष का पौधा

भाजपा की असली ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ता : नितिन नवीन

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत और संगठन के वास्तविक मालिक हैं। समर्पित कार्यकर्ता ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों, संदेशों और जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हैं। भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण और परिश्रम में निहित है। नितिन नवीन काकि विधानसभा क्षेत्र के सुकुरहुट्ट स्थित बिरसा मंडप

अखाड़ा परिसर में बूथ संख्या-249 पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 139वें संस्करण का सामूहिक श्रवण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ह्वाक पेड़ मां के नामह्म अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने वहां मौजूद

महिलाओं, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से संवाद भी किया। कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन ने संगठन में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के महत्व को रेखांकित करते हुए एक विशेष पहल की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीछे खड़े बूथ अध्यक्ष आकाश कुमार और मंडल अध्यक्ष प्रभात कुमार को अपने पास बुलाया और दोनों को अपने बगल में खड़ा किया। इस दौरान उन्होंने बूथ अध्यक्ष को अपना मालिक बताते हुए कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर काम करने वाले



कार्यकर्ता ही संगठन की नींव हैं। उनके परिश्रम और समर्पण से पार्टी की नीतियां और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों तक पहुंचती हैं।

नितिन नवीन ने कहा कि वह रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसी क्रम में उन्हें काकि विधानसभा क्षेत्र में आम लोगों और कार्यकर्ताओं के साथ मन

की बात सुनने का अवसर मिला। उन्होंने उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए सभी के प्रति आभार जताया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना का उल्लेख करते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहे हैं। तीन करोड़ लखपति दीदियां बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है और अब इस अभियान को

आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। नितिन नवीन ने कहा कि जब माताएं और बहनें आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, तो उसका लाभ केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दो-दो परिवारों को संबल मिलता है। महिलाएं दो परिवारों को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में उनका आर्थिक सशक्तीकरण विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से आह्वान किया कि

प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संदेशों को केवल सुनने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने परिवार, गांव और समाज के अन्य लोगों तक भी पहुंचाएं। नितिन नवीन ने बच्चों की शिक्षा, विशेषकर बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बेटियों को पढ़ाना, उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देना और आत्मनिर्भर बनाना परिवार तथा समाज की प्रगति के लिए आवश्यक है।

रांची में राष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग प्रतियोगिता 30 से, 600 से अधिक साइकिलिस्ट लेंगे भाग



बंशीधर न्यूज

रांची। रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा वेलोड्रम में 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक राष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता में 78 वीं सीनियर, 55 वीं जूनियर और 41 वीं सब जूनियर राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग शामिल है। इस प्रतियोगिता को लेकर रविवार को वेलोड्रम स्टेडियम में आधिकारिक मस्कट की लॉन्चिंग की गई। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन के

महासचिव शैलेंद्र कुमार पाठक ने प्रेस वार्ता में बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से 600 से अधिक साइकिलिस्ट हिस्सा लेंगे। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और प्रतियोगिता के संचालन के लिए 100 से अधिक तकनीकी अधिकारी भी रांची पहुंचेंगे। छह दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में सीनियर, जूनियर और सब जूनियर वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। शैलेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि खेलगांव का वेलोड्रम ट्रैक अंतरराष्ट्रीय स्तर का है। प्रतियोगिता में

शामिल होने वाले खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अभ्यास से जुड़ी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। आयोजन समिति का प्रयास है कि खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो और वे बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने कहा कि झारखंड इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी को यादगार बनाने के लिए तैयार है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसोसिएशन के रिशेरा झा, तकनीकी अधिकारी सतविंदर कौर, कोषाध्यक्ष रणवीर कुमार और कोच रामकुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज अपडेट्स

पुलिस ने वापस किए लोगों के गुम मोबाइल

रांची। राजधानी रांची में खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत लालपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अभियान के दौरान रविवार को कुल 22 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें से 18 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए हैं, जबकि शेष चार मोबाइल फोन के मालिकों से संपर्क किया गया है। उनके थाना पहुंचने पर मोबाइल सौंप दिए जाएंगे। लालपुर थाना प्रभारी रूपेश सिंह ने बताया कि खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए पुलिस तकनीक का सहारा ले रही है। इसके तहत मोबाइल फोन से संबंधित जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाती है। जैसे ही संबंधित मोबाइल में किसी अन्य सिम कार्ड का इस्तेमाल होता है, तकनीकी सिस्टम के माध्यम से उसकी पहचान और लोकेशन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है। इसके आधार पर पुलिस मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद करती है। थाना प्रभारी ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत मोबाइल फोन की बरामदगी का अभियान लगातार जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों के खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाना है।

भाजपा

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के अंतिम दिन समापन सत्र

आंदोलन करें भाजपा कार्यकर्ता : सौदान सिंह

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के अंतिम दिन रविवार को समापन सत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, प्रदेश प्रभारी गजेन्द्र सिंह पटेल और संगठन महामंत्री पवन साय का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के अंतिम सत्र में समापन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह ने कार्यसमिति बैठक के सफल आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया। उन्होंने पिछले सात वर्षों में झारखंड के विकास की गति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार नहीं बनने का खामियाजा इस राज्य सरकार के कुशासन के कारण झारखंड और झारखंड की जनता को भुगतना पड़ा है। यदि राज्य में भाजपा नेतृत्व की सरकार होती, तो झारखंड विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा होता। सौदान सिंह ने कहा कि वर्तमान गठबंधन सरकार के कार्यकाल में राज्य का विकास पूरी तरह प्रभावित हुआ है। झारखंड सरकार को आम जनता के हितों को लेकर कोई सरोकार ही नहीं है। पूरा राज्य अराजकता, भ्रष्टाचार और कुशासन की चपेट से कराह रहा है। उन्होंने



स्थानीय जनमुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ संघर्ष और आंदोलन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार से उसके वादों का हिसाब मांगें और स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष को और तेज करने की जरूरत है। गांव से लेकर शहर तक जनता की समस्याओं को उठाना, सरकार की जवाबदेही तय करना और जनहित के मुद्दों पर आंदोलन खड़ा करना पार्टी कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार की नीतियों और कार्यशैली से जुड़ी जनशिकायतों को मजबूती से उठाएं। युवाओं के रोजगार, विद्यार्थियों की समस्याओं, किसानों की चुनौतियों, गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ और आम जनता को

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सादगी और सेवा के संकल्प के साथ जनता के बीच काम करें। जनता के सुख-दुःख में सहभागी बनें और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

मजबूत बनाने का मंत्र देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करें। झारखंड भाजपा के पास अनुभवी कार्यकर्ताओं का एक बड़ा समूह है। इनके पास अनुभव और जानकारी दोनों हैं। इनके अनुभव का प्रयोग करते हुए हम काम करेंगे तो यहां सरकार बनाना मुश्किल नहीं है। पटेल ने सामाजिक विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए समाज में सक्रिय रूप से काम करने वाले लोगों को अभियान चलाकर भाजपा से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए झारखंड की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। हर काम के लिए कार्यकर्ता और हर कार्यकर्ता के लिए काम जरूरी है। कार्यकर्ताओं से सम्पर्क और संवाद करना जरूरी है।

संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करें : पवन साय

झारखंड प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने प्रदेश कार्यसमिति की दूसरे दिन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दो दिनों की चर्चा में संगठन, राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों और जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषय सामने आए हैं। इन विषयों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठनात्मक संरचना को मजबूत, सक्रिय और व्यवस्थित बनाना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कार्यसमिति में हुई चर्चा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ मैदान में उतरे। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा की। साय ने संगठन को निचले स्तर तक मजबूत बनाने के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रमंडल स्तर पर एक-एक प्रभारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जिला और मंडल स्तर की कार्यसमितियों का गठन, प्रत्येक शक्ति केंद्र में पांच कार्यकर्ता तैयार करने और प्रत्येक बूथ की आवश्यक संरचना समयबद्ध तैयार करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने भाजपा के सातों मोर्चों की कार्यकारिणी का गठन शीघ्र पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि गठन से पहले सभी मोर्चा अध्यक्ष प्रदेश का प्रवास करें। इसके साथ ही पार्टी के 28 प्रकोष्ठों की संगठनात्मक संरचना का गठन भी निर्धारित समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया।

युवाओं और आदिवासियों की आवाज सुनने का साहस दिखाए भाजपा : राकेश

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को प्रधानमंत्री के मन की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठने का समय तो मिल जाता है, लेकिन देश के युवाओं, आदिवासियों और न्याय की गुहार लगा रहे परिवारों की आवाज सुनने के लिए उनके पास वक्त नहीं है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा के नेताओं को कैमरों के सामने जमीन पर बैठकर प्रधानमंत्री की बातें सुनने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन जब देश का युवा रोजगार मांगता है, आदिवासी अपने अधिकारों की आवाज उठाता है और पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगाता है, तब भाजपा के नेताओं के कानों में ताले लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा की राजनीति सिर्फ प्रधानमंत्री की प्रशंसा सुनने और दिखावटी तस्वीरें खिंचवाने तक सीमित रह गई है। उन्होंने सवाल किया कि देश का युवा बेरोजगारी और भविष्य की अनिश्चितता से परेशान है। उसके सवाल को जवाब कौन देगा। आदिवासी समाज अपने जल, जंगल, जमीन और संवैधानिक अधिकारों को लेकर सवाल पूछता है, तो भाजपा के नेता उसकी आवाज सुनने से क्यों कतराते हैं। क्या युवाओं और आदिवासियों की पीड़ा भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व तक नहीं पहुंचती, या फिर जानबूझकर उनकी आवाज को अनसुना किया जाता है।

आदिवासी अधिकारों पर भाजपा अपने कार्यकाल का दे हिसाब : विनोद

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के राजनीतिक प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा को झारखंड के हितों, आदिवासी-मूलावासी अधिकारों और रोजगार जैसे मुद्दों पर अपने शासनकाल के कार्यों की जानकारी जनता को देना चाहिए। उन्होंने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय राज्य के विकास, युवाओं के रोजगार, किसानों की समस्याओं और विस्थापितों के अधिकारों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। झारखंड की जनता अपने अधिकारों और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर ठोस पहल चाहती है। विनोद पांडेय ने कहा कि जल-जंगल-जमीन, स्थानीय अधिकार और आदिवासी-मूलावासी अस्मिता झारखंड आंदोलन के प्रमुख आधार रहे हैं। इन विषयों पर सभी राजनीतिक दलों को गंभीरता से काम करने और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सहित राज्य के महानायकों के विचारों को उनके संघर्ष और अधिकारों के सम्मान के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने रोजगार, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सभी सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान और यूपी पुलिस का शानदार प्रदर्शन

कंपाउंड महिला वर्ग में असम राइफल्स की समैना बसुमतारी को स्वर्ण पदक

रांची। झारखंड पुलिस की ओर से रांची के खेलगांव में आयोजित 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 के व्यक्तिगत एलिमिनेशन राउंड में रविवार को छह वर्गों के पदक विजेताओं की घोषणा की गई। रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड के पुरुष एवं महिला वर्गों में विभिन्न पुलिस बलों के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। रिकर्व महिला वर्ग में

राजस्थान पुलिस की अमनदीप कौर ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तर प्रदेश पुलिस की सुमन चौधरी ने रजत, जबकि आईटीबीपी की सोनाली बसुमतारी ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, रिकर्व पुरुष वर्ग में असम राइफल्स के अकोइजाम अमरजीत ने स्वर्ण पदक जीता। सीआईएसएफ के दिव्यांश चौधरी को रजत और आईटीबीपी के नीरज को कांस्य पदक मिला। कंपाउंड महिला वर्ग में असम राइफल्स की समैना



बसुमतारी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सीआईएसएफ की आकांक्षा ने रजत और बीएसएफ की मैनाव नारजरी ने कांस्य पदक

जीता। इसी स्पर्धा के पुरुष वर्ग में राजस्थान पुलिस के रजत चौहान ने स्वर्ण पदक हासिल किया। उत्तर प्रदेश पुलिस के हर्ष बालियान ने रजत, जबकि सीआरपीएफ

के भगवान दास ने कांस्य पदक जीता। इंडियन राउंड महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश पुलिस की नमिता वर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर बाजी मारी।



एसएसबी की पुष्पा ने रजत और उत्तर प्रदेश पुलिस की दीपिका पांडेय ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं,

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में आईटीबीपी के गौरव संजय राव चांदे ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बीएसएफ के सुनील कुमार को रजत और उत्तर प्रदेश पुलिस के सौरभ मोर्य को कांस्य पदक मिला।

एसपी कपिल चौधरी के नेतृत्व में रन फॉर यूनिटी, पुलिसकर्मियों और बच्चों ने लगाई दौड़



बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आपसी सद्भाव का संदेश देने के उद्देश्य से रविवार को पलामू पुलिस की ओर से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। एसपी कपिल चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस दौड़ में पुलिस पदाधिकारियों, जवानों और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से एकता,

भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम में एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल, एसडीपीओ राजेश यादव, प्रभारी साजेंट मेजर सुरेश राम, शहर थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, चैनपुर थाना प्रभारी लालजी, साजेंट विमल कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी और स्कूली बच्चे शामिल हुए। एसपी ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने तथा समाज में आपसी विश्वास और सहयोग

की भावना मजबूत करने का संदेश दिया। आयोजन के माध्यम से लोगों को यह बताया गया कि देश की मजबूती विविधताओं के बीच एकता, पारस्परिक सहयोग और आपसी सद्भाव में निहित है। पलामू पुलिस ने आम नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समरस समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

न्यूज अपडेट्स

28-29 नवंबर को होगा द्वितीय जोहार महोत्सव

मेदिनीनगर: स्वयंसेवी संस्था सेसा की ओर से 28 और 29 नवंबर को द्वितीय जोहार महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर बेलवाटिका स्थित सेसा कार्यालय में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। महोत्सव का आयोजन ग्राम भुसड़िया स्थित सेसा व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र परिसर में होगा, जो दुबियाखाड़ के निकट है। महोत्सव का उद्देश्य झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक व्यंजन, त्योहार, वेशभूषा, कला और लोकनृत्य को जन-जन तक पहुंचाना है। इस आयोजन में सेसा के साथ इटा पलामू और योग सिंह नामधारी महिला कॉलेज भी सहयोग करेंगे। महोत्सव के पहले दिन 28 नवंबर को उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। इस दौरान पलामू के आदिवासी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता भी होगी। दूसरे दिन 29 नवंबर को झारखंड प्रश्नोत्तरी, भाषण, ग्रामीण बच्चों के लिए चित्रकला और वेशभूषा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। आदिवासी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए झूमर नृत्य तथा इटा के रंगकर्मियों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। महोत्सव का एक विशेष आकर्षण झारखंड के प्रसिद्ध चित्रकार और सेसा के वरिष्ठ सदस्य एसएम नेयर जमाल की स्मृति में स्थापित की जाने वाली एसएम नेयर जमाल चित्रकला दीर्घा होगी। इसके अलावा हस्तशिल्प प्रदर्शनी सह बिक्री और झारखंडी व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रेम भसीन ने की। इसमें कौशिक मल्लिक, रवि शंकर, सुभाष कुमार, मानस मिश्रा, रविंद्र सिंह, मिथिलेश कुमार पांडेय, सुप्रिया सोनालिका, जसबीर बग्गा, संजय कुमार, संतोष मेहरा, धर्मेन्द्र कुमार सिंह और विनोद राम उपस्थित थे।

अध्यात्म छठ महापर्व को लेकर तैयारी शुरू

सीढ़ीनुमा घाटों के लिये 10 रु शुल्क निर्धारित

बंशीधर न्यूज

कांडी : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर मां सतबहिनी झरना तीर्थ एवं पर्यटन स्थल परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित पूजा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये विकास समिति ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस बार सीढ़ीनुमा छठ घाटों पर पूजा के लिये स्थान का आवंटन केवल समिति कार्यालय के माध्यम से किया जायेगा। घाटों पर मनमाने ढंग से स्वयं अपना नाम लिखकर जगह घेरने वालों की पुरानी बुकिंग एवं अनाधिकृत दावेदारी निरस्त कर दी गई है। सीढ़ीनुमा घाटों के लिये मात्र 10 रुपये का सेवा शुल्क निर्धारित किया गया है। जबकि परिसर के अन्य सभी स्थानों पर छठ पूजा पूरी तरह



निःशुल्क रहेगी। मां सतबहिनी झरना तीर्थ एवं पर्यटन स्थल विकास समिति के सचिव मुरलीधर मिश्र एवं विधायक प्रतिनिधि आतिश सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि पिछले

वर्षों में सीढ़ीनुमा घाटों पर जगह को लेकर विवाद और आपाधापी की स्थिति उत्पन्न होती रही है। इसे ध्यान में रखते हुये इस बार घाटों का आवंटन व्यवस्थित तरीके से करने का निर्णय लिया गया

है। ताकि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने बताया कि माता रानी दरबार के पूर्व एवं पश्चिम की ओर तथा सूर्य मंदिर के पूर्व में स्थित सीढ़ीनुमा घाटों

पर पूजा करने के इच्छुक श्रद्धालुओं को समिति कार्यालय में संपर्क कर अपना स्थान सुनिश्चित कराना होगा। इसके लिये कार्यालय के माध्यम से टोकन वितरित किये जाएंगे। पहले से घाटों पर नाम लिख देने मात्र से किसी का स्थान आरक्षित नहीं माना जायेगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि सीढ़ीनुमा घाटों के लिये निर्धारित 10 रुपये की राशि किसी प्रकार का घाट शुल्क नहीं, बल्कि सेवा शुल्क है। इस राशि का उपयोग घाटों पर नंबरिंग करने, पेंट कराने तथा व्यवस्था से संबंधित कार्यों में लगे मजदूरों की लागत के लिये किया जायेगा। वहीं सीढ़ीनुमा घाटों के अतिरिक्त मैदान, नदी क्षेत्र और पूर्वी धर्मशाला छोर सहित अन्य सभी स्थान श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह निःशुल्क रहेंगे।

एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक कौशिक कुमार ने श्री बंशीधर मंदिर में की पूजा-अर्चना

चेंबर ऑफ कॉमर्स ने किया सम्मानित

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के क्षेत्रीय प्रबंधक कौशिक कुमार ने रविवार को श्री बंशीधर मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना कर मनवांछित फल की कामना की। इस दौरान उन्होंने श्री बंशीधर नगर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों एवं व्यवसायियों से मुलाकात



कर विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। चेंबर के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय प्रबंधक श्री कौशिक को

मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक कौशिक कुमार ने व्यवसायियों से

बातचीत कर उनके विचारों एवं सुझावों को जाना। उन्होंने कहा कि व्यवसायियों से मिलकर उनके विचारों को

जानना और विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करना महत्वपूर्ण है। बैंक और व्यवसायियों के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद से बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिल सकता है। मौके पर चेंबर के अध्यक्ष उमेश कुमार, चंद्रप्रकाश, शंभुनाथ सौदागर, हृदयानंद कमलापुरी, ओमप्रकाश चौबे, विद्या भास्कर (छोटू), राजू सेठ, राजन सोनी, विकास जायसवाल, सुनील मेहता सहित कई लोग उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय गायन प्रतियोगिता में संत मरियम स्कूल की आलीमा अंजूम ने बनाई जगह

मेदिनीनगर : झारखंड स्कूल टैलेंट सर्च-2026 (झारखंड आइडल) की राज्य स्तरीय गायन प्रतियोगिता के सौनियर वर्ग में संत मरियम स्कूल की छात्रा आलीमा अंजूम ने अपनी जगह बनाई है। उन्होंने जिला स्तरीय



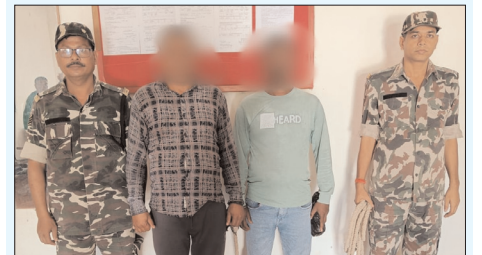
प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद प्रमंडल स्तर पर भी प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चर्चनित हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 31 अक्टूबर को रांची में होगा। इसमें विभिन्न प्रमंडलों के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस उपलब्धि की जानकारी संगीत प्रशिक्षक श्याम किशोर पांडेय ने दी। आलीमा की सफलता से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। अब सभी की निगाहें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां आलीमा अपनी गायन प्रतिभा से पलामू का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगी।

10 गोल्ड मेडल जीत आरके पब्लिक ओवरऑल चैंपियन



गढ़वा : आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स की ओर से रविवार को आरकेवीएस संस्थान, रेहला रोड स्थित मल्टीपर्स हॉल में अंतर-विद्यालयीय इंडोर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 10 स्वर्ण पदक जीतकर आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा, उंचरी मझिआंव, श्री बंशीधर नगर और हूर के विद्यार्थियों ने भाग लिया। आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा ने 10 गोल्ड, 10 सिल्वर और सात ब्रॉन्ज मेडल जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। अन्य विद्यालयों के प्रतिभागियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चेयरमैन सह शिक्षाविद अलखनाथ पाण्डेय ने दीप जलाकर और फीता काटकर किया। विद्यालय के इंचार्ज अनुप कुमार पाण्डेय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अलखनाथ पाण्डेय और आनंद सिन्हा का स्वागत किया। जान्हवी ग्रुप की ओर से प्रस्तुत स्वागत गीत ने कार्यक्रम में आकर्षण बढ़ाया। मौके पर अलखनाथ पाण्डेय ने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, टीम भावना और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि मेडल केवल प्रतीक है, जबकि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का विकास वास्तविक उपलब्धि है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीत में विनम्र और हार में धैर्यवान रहने की सीख दी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता और प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सुधा तिवारी, इमतिआज खान, नंदलाल गुप्ता, अभिमन्यु शुक्ला, शारिक अंसारी, मुस्कान तिवारी, अखिलेश पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

दो वारंटी गिरफ्तार



मेराल : पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी पुअनि रवि कुमार केशरी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों और सशस्त्र बलों ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 24 अक्टूबर की रात मेराल थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य विभिन्न मामलों के अभियुक्तों, वारंटियों और फरार फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ न्यायालय द्वारा जारी वारंट एवं कुर्की आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करना था। इस दौरान जीआर-1924/21 के दो वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेराल थाना क्षेत्र के करकोमा गांव निवासी अलोक तिवारी पिता स्वर्गीय शालिक तिवारी और नागेंद्र चौधरी पिता दसई चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अग्रसेन भवन में आयोजित सहजयोग कार्यक्रम में एसडीओ संजय पांडेय ने कहा

सहजयोग से जीवनशैली में ला सकते हैं संतुलन

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : सहजयोग के माध्यम से जीवनशैली में संतुलन लाने के साथ आंतरिक शांति और आनंद की अनुभूति की जा सकती है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अध्यात्म के लिए समय निकालना चाहिए। उक्त बातें सदर एसडीओ संजय पांडेय ने रविवार को मेदिनीनगर के अग्रसेन भवन में आयोजित सहजयोग कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि सहजयोग एक साधना है,



जिसके माध्यम से व्यक्ति स्वयं को समझने और मानसिक शांति प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। प्रत्येक व्यक्ति

को प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा अध्यात्म के लिए निकालना चाहिए। उन्होंने मानवता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते

हुए कहा कि दूसरों के कल्याण के लिए जीवन समर्पित करना सहायनीय कार्य है। कार्यक्रम के तहत अग्रसेन भवन से प्रभात

फेरी निकाली गई। इससे पहले सहजयोगियों ने श्री माताजी निर्मला देवी की तस्वीर की विधिवत पूजा-अर्चना की। सुबह करीब साढ़े बजे प्रभात फेरी शुरू हुई। दिल्ली से आए मुख्य रामजी ने भजनों की प्रस्तुति देकर लोगों को भावविभोर कर दिया। सहजयोगी हाथों में श्री माताजी की तस्वीर और संदेश लिखी तख्तायां लेकर चल रहे थे। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए उन्होंने लोगों को सहजयोग, ध्यान, आत्मसाक्षात्कार और आंतरिक शांति का संदेश दिया। जयकारों के

बीच निकली प्रभात फेरी दोपहर में वापस अग्रसेन भवन पहुंची। इसके बाद मुख्य रामजी और उनकी टीम ने विशेष प्रस्तुति दी तथा उपस्थित लोगों को ध्यान और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से परिचित कराया। मौके पर नीरू तुलस्यान, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. ऋचा सहाय, डॉ. नीलिमा देव, प्रिय रंजन सिंह, राजन कुमार, रूसमा देवी, संगीता पांडेय, सोमनाथ चंद्रवंशी, रांची के सुनील सिन्हा, शोभा झा, तारा देवी और वैजयंती देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रसाद सोनी, हेवंती देवी, नंदकुमार गुप्ता, लता गुप्ता, पूनम देवी, कृष्ण गोपाल आर्य, माधुरी देवी, किरण देवी, अरविंद केशरी, रमेश कुमार सोनी, वीणा देवी, अंजनी सिंह, सत्यम कुमार, आरती देवी, पीहू सोनी, शशिकांत शर्मा, अवनीश पांडे, दीपति कुमारी, पल्लवी कुमारी, गुनगुन सोनी, शिवाजी कुमारी, अनिरुद्ध केसरी, पूजा कुमारी, अलका कुमारी, खुशबू कुमारी, मानी कुमारी, सिमरन कुमारी, आशीष कुमार, वंदना मौर्वी, सुमंतानंद, श्वेता कुमारी सहित बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

भवनाथपुर : प्रखंड गठन के 64 वर्ष बीत जाने के बाद भी भवनाथपुर में व्यवस्थित बस स्टैंड का निर्माण नहीं हो सका है। यहां से रांची, बनारस, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार सहित कई क्षेत्रों के लिये प्रतिदिन बसें का परिचालन होता है। इन्होंने बावलजु यात्रियों को मुख्य बसों के किनारे खड़े होकर सड़क का इंतजार करना पड़ता है। इससे जाम और दुर्घटनाओं व खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों की मांग है कि भवनाथपुर में अंतरराज्यीय बस स्टैंड का निर्माण कराया जाय। बस स्टैंड नहीं होने से विद्यार्थियों, मरीजों, व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को परेशानी होती है। यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय और टिकट काउंटर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। सड़क किनारे बस पकड़ने की मजबूरी के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा इस मांग को लेकर लगातार प्रयास कर रही हैं। उन्होंने जिला परिषद बोर्ड की बैठकों में मामला उठाने के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, विधायक अनेक प्रताप देव, विभागीय सचिव, डीसी एवं डीडीसी को मांग पत्र सौंपा है। उन्होंने जिला परिषद की आय वृद्धि मद और 15 वें वित्त आयोग की राशि से बस स्टैंड निर्माण कराने की मांग की है। हालांकि भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण मामला लंबित है। विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया है और दोबारा मामले को देखकर आवश्यक पहल करेंगे। वहीं डीडीसी प्रेमनाथ मुर्मू ने भवनाथपुर दौरे के दौरान इस मामले को देखकर समाधान की दिशा में प्रयास कराने की बात कही है। सीओ शंभू राम के अनुसार बस स्टैंड के लिये जमीन चिह्नित करने संबंधी प्रीथ अधिकांशियों का आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश मिलने पर प्रक्रिया शुरू की जायेगी। रंजनी शर्मा ने कहा कि भवनाथपुर में अंतरराज्यीय बस स्टैंड का निर्माण विकास, रोजगार और यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है। उन्होंने कहा कि जमीन चिह्नित होने और निर्माण कार्य शुरू होने तक उनका प्रयास जारी रहेगा।

व्यवसायियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वित्त मंत्री से इस समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। मौके पर महासचिव अनुपम तुलस्यान, सुरेश जैन, कृष्ण मोहन पांडेय, गणेश गिरी, सोमेश्वर प्रसाद, डॉ श्वेता कुमारी, सहित अन्य लोग भी शामिल हुए। कार्यक्रम में करीब 40 लोगों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल व संचालन रोहिणी सिंह ने किया।

गीता देवी हत्याकांड में पुलिस अब तक चार आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि, गिरफ्तारी के बावजूद मृतका के परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश बना

हुआ है। रविवार को बड़ी संख्या में लोगों ने आक्रोश मार्च निकालकर गीता देवी के लिए न्याय की मांग उठाई। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'गीता देवी को न्याय दो' के नारे लगाए। परिजनों ने कहा कि इस हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों को कानून के तहत कारागत में सजा मिलनी चाहिए, जिससे कि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके

और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष और गहन जांच करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हत्याकांड में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए और सभी आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

रमना : प्रखंड अंतर्गत बहियार खुर्द पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बहियार खुर्द में 74 लाख रुपये की लागत से बन रहे नये विद्यालय भवन के निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी से करते हुये निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों की शिकायत पर

जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी निर्माण स्थल पर पहुंचीं और भवन निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि भवन निर्माण में नींव तैयार करने के समय से ही मानकों की अनदेखी की जा रही है।

निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंड के अनुसार छड़ और रिंग का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। साथ ही घटिया

बालू, गिट्टी और सीमेंट का उपयोग किये जाने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया तो भवन की मजबूती प्रभावित हो सकती है। इससे भविष्य में विद्यार्थियों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से निर्माण कार्य की निरीक्षण जांच कराने और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने

ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुये आश्वसन दिया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों से निर्माण कार्य की जांच कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिये पहल की जायेगी। इधर मामले में पक्ष जानने के लिये संबंधित विभाग के जेई से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन मोबाइल पर घंटी बजती रही और उनसे संपर्क नहीं हो सका। लिहाजा इस संबंध में विभाग का पक्ष नहीं मिल सका।

समाजसेवी के रूप में क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते थे। लोगों के सुख-दुख में शामिल होना और क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास करना उनकी खास पहचान थी। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए मेदिनीनगर ले गए। वहां से बेहतर उपचार के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर किया गया। परिजन उन्हें रांची ले जा रहे थे, इसी दौरान कुड्डू में उनका निधन हो गया। नंदकुमार राम झाखंड पुलिस एसोसिएशन के संगठन मंत्री भी रहे चुके थे। स्वीछक सेवानिवृत्ति लेने के बाद वह सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। क्षेत्र के लोगों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए उनके सामाजिक योगदान को याद किया। नंदकुमार राम अपने पीछे पत्नी, एक बेटा, दो बेटियां सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके अंतिम संस्कार के दौरान बेटे बच्चन सावान ने मुखाग्नि दी। उनके निधन से क्षेत्र के सामाजिक और राजनीतिक जगत में शोक व्याप्त है।

रमना : आस्था और जनसहयोग की मिसाल पेश करते हुये प्रखंड मुख्यालय स्थित गंगा तालाब छठ घाट परिसर में नवनिर्मित सूर्य मंदिर की छत की ढलाई पूरी कर ली गई। खास बात यह रही कि मंदिर की छत की ढलाई का कार्य पूरी तरह श्रमदान से संपन्न हुआ। इसमें सूर्य मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों और स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छठ महापर्व और भगवान सूर्य के प्रति आस्था का परिचय देते हुये श्रद्धालु अपने निजी काम-धंधे छोड़कर निर्माण कार्य में जुटे। सुबह नौ बजे शुरू हुआ ढलाई का काम दोपहर 1:30 बजे तक लगातार चला। तेज धूप और कठिन परिश्रम के बावजूद लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। सभी ने मिलकर निर्धारित समय में छत की ढलाई का कार्य पूरा किया। सूर्य मंदिर की छत की ढलाई पूरी होने से श्रद्धालुओं में उत्साह है। स्थानीय लोगों का मानना है कि सामूहिक सहयोग और सेवा भावना से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है। मंदिर निर्माण में लोगों की सक्रिय भागीदारी क्षेत्र में आपसी सहयोग और धार्मिक एकता का उदाहरण बनी है। इस कार्य में सूर्य मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों के साथ काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान किया। श्रद्धालुओं के इस योगदान की क्षेत्र में सराहना हो रही है। गंगा तालाब छठ घाट पर सूर्य मंदिर का निर्माण स्थानीय लोगों की आस्था से जुड़ा है। मंदिर निर्माण में श्रमदान के माध्यम से लोगों ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयास से धार्मिक स्थलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। छत की ढलाई पूरी होने के बाद अब श्रद्धालुओं को मंदिर निर्माण के अगले चरण के पूरा होने का इंतजार है।

गढ़वा : समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये गढ़वा के शौकत खान और उनके पुत्र साजिद खान को कलाम पीपुल्स प्रेसिडेंट अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। रांची के अमरनाथ बैक्वेट हॉल में आयोजित समारोह में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधचंद्र साहाय ने यह सम्मान प्रदान किया। आयोजित कार्यक्रम में साजिद खान ने अपने पिता की ओर से सम्मान ग्रहण किया। मुख्य अतिथि ने उन्हें शौकत ओढ़कर, प्रशस्ति पत्र और मोंमेंटो देकर सम्मानित किया। साजिद खान तिरंगा सम्मान समारोह के आयोजक हैं। जबकि उनके पुत्र साजिद खान नि:शुल्क कपड़ा बैंक का संचालन करते हैं। दोनों पिता-पुत्र हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से पिछले 13 वर्षों से देशभर में लोगों के बीच राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार इस दौरान चार लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देई किया जा चुका है। इसके अलावा गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता के लिये दोनों ने नि:शुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सतू बैंक और पुस्तक बैंक की शुरुआत की है। समारोह में मंच संचालक ने दोनों के नि:स्वार्थ सेवा कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि उनकी पहल समाज में मान्यता, आपसी सहयोग और राष्ट्रमंद की भावना को मजबूत कर रही है। इस उपलब्धि से गढ़वा जिले में खुशी का माहौल है।

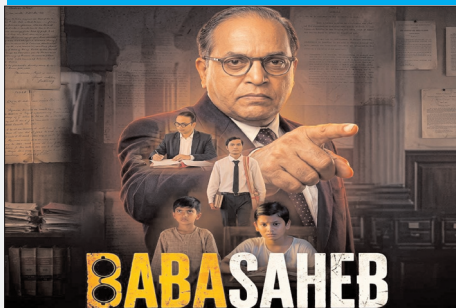


जून 2027 में शुरू होगी 'सालार 2' की शूटिंग

मुंबई। अभिनेता प्रभास के प्रशंसकों के लिए उनकी फिल्म 'सालार' के सीक्वल को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। प्रभास और निर्देशक प्रशांत नील ने पुष्टि की है कि 'सालार पार्ट 2 : शौर्यांग पर्व' की शूटिंग जून 2027 में शुरू होगी। प्रभास के जन्मदिन के मौके पर जारी एक वीडियो में दोनों की मुलाकात की झलक देखने को मिली। वीडियो में प्रभास मजाकिया अंदाज में प्रशांत नील से अपने जन्मदिन के तोहफे के बारे में पूछते हैं। इस पर निर्देशक कहते हैं कि फिल्म का सीक्वल ही उनके लिए तोहफा है। इस बातचीत के दौरान दोनों ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी साझा की, जिससे प्रशंसकों का उत्साह बढ़ गया है। होम्बले फिल्मस के बैनर तले बनी 'सालार पार्ट 1 : सीजफायर' वर्ष 2023 में रिलीज हुई थी। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस एक्शन फिल्म में प्रभास ने मुख्य भूमिका निभाई थी। खानसार की काल्पनिक दुनिया पर आधारित फिल्म को दर्शकों

का अच्छा प्रतिसाद मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। अब इसके दूसरे भाग को पहले से अधिक भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। हाल ही में प्रशांत नील ने निमार्ता विजय किरागंदूर से मुलाकात कर फिल्म के प्री-प्रोडक्शन और आगे की योजनाओं पर चर्चा की। निमार्ताओं का लक्ष्य फिल्म के एक्शन दृश्यों और कहानी की दुनिया को बड़े स्तर पर पेश करना है। 'सालार 2' को लेकर दर्शकों में लंबे समय से उत्पुकता बनी हुई है। पहली फिल्म की सफलता के बाद इसके सीक्वल से भी काफी उम्मीदें हैं। होम्बले फिल्मस इससे पहले 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी फिल्मों के जरिए देशभर में पहचान बना चुका है। 'सालार' की लोकप्रियता सिनेमाघरों के साथ डिजिटल मंच पर भी देखने को मिली। अब जून 2027 में शूटिंग शुरू होने की पुष्टि के बाद प्रशंसकों को फिल्म से जुड़ी अगली जानकारियों का इंतजार है।

बचपन के भेदभाव से उच्च शिक्षा तक, माइक्रोड्रामा में दिखेगी बाबासाहेब की कहानी



मुंबई। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन की कहानी अब एक नए अंदाज में पर्दे पर उतरने जा रही है। माइक्रोड्रामा मंच कुकू टीवी ने उनके जीवन पर आधारित ऐतिहासिक सीरीज 'बाबासाहेब' पेश की है। यह माइक्रोड्रामा डॉ. आंबेडकर के जीवन के उस दौर पर केंद्रित है, जब बालक भीमराव जातिगत भेदभाव, सामाजिक असमानता और आर्थिक कठिनाइयों के बीच शिक्षा हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। राष्ट्रीय नेता और संविधान निमार्ता के रूप में पहचान बनाने से पहले उनके जीवन में आए अनुभवों को इसमें प्रमुखता दी गई है। डॉ. आंबेडकर की आत्मकथात्मक रचना 'वैटिंग फॉर ए वीजा' से प्रेरित यह सीरीज ऐतिहासिक घटनाओं को आधार बनाकर उनके संघर्ष और विचारों के विकास को सामने लाने का प्रयास करती है। 'बाबासाहेब' में शिक्षा को बदलाव की सबसे बड़ी ताकत के रूप में दिखाया गया

है। सामाजिक बंधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भीमराव की ज्ञान हासिल करने की जिद उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। वर्ष 1913 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने का उनका सफर इस कहानी का अहम पड़ाव है। सीरीज में उनके जीवन के अलग-अलग चरणों को पांच कलाकारों ने निभाया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मकार जयंत सोमलकर भी इस प्रस्तुति का हिस्सा हैं। फिल्म 'कोर्ट' से पहचान बनाने वाले शिरीष पवार ने रामजी सकपाल, जबकि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की पूर्व छात्रा स्नेहलता तामड़े ने जीजाबाई सकपाल की भूमिका निभाई है। अनुभवी अभिनेता राजेश भोसले शिक्षाविद कृष्णाजी केशव कोलसुकर के किरदार में नजर आते हैं। सीरीज के रचनात्मक निमार्ता सचिव पुराणिक भी इसमें अतिथि भूमिका निभा रहे हैं। कलाकारों ने कबीर के दोहों और एक लोकगीत को अपनी आवाज भी दी है।



श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में एक नवम्बर से बदलेगी श्रीरामलला की पूजा एवं दर्शन की दिनचर्या
प्रातः 4 बजे खुलेंगे पट, रात्रि 10 बजे होंगे बन्द; आरती, भोग एवं विश्राम के समय में भी परिवर्तन
समय-सारणी में ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया गया है

गढ़वा में फिजियो-पंचकर्म सेंटर शुरू

लकवा मरीजों को मिलेगी सुविधा

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : शहर के सोनपुरवा स्थित चौधरी जेनरल एंड लकवा हॉस्पिटल परिसर में अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी एवं पंचकर्म सेंटर का उद्घाटन किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष आशीष कुमार सोनी उर्फ दौलत सोनी, विधायक प्रतिनिधि रिंकु तिवारी और वरिष्ठ भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर सेंटर का शुभारंभ किया। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि सेंटर शुरू होने से लकवा समेत विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिलेगी। पहले ऐसे इलाज के लिये लोगों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। अब गढ़वा में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों और उनके परिजनों को सहूलियत होगी। हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ कुलदेव चौधरी ने बताया कि सेंटर में लकवा, जोड़ों के दर्द, कमर



दर्द, साइटिका, गठिया और नसों से संबंधित समस्याओं के लिये आधुनिक फिजियोथेरेपी मशीनों के साथ आयुर्वेदिक पंचकर्म पद्धति से उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद मरीजों को कम खर्च में बेहतर चिकित्सा सुविधा देना संस्थान का उद्देश्य है। भर्ती मरीजों के लिये रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क रखी गई है। उन्होंने बताया कि पटना के कार्डियो-न्यूरो

फिजिशियन डॉ पीके वर्मा 24 घंटे इमरजेंसी सेवा देंगे। वहीं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ पप्पू यादव और आयुर्वेदिक पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ अतुल्य शंकर मिश्रा उपचार में सहयोग करेंगे। हॉस्पिटल की निदेशक डॉ जुली कुमारी ने अतिथियों के प्रति आभार जताते हुये मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। मौके पर विश्वनाथ यादव, वीरेंद्र प्रसाद यादव, झामुमो नेता अरविंद यादव, रमना उप

प्रमुख रविन्द्र कुमार चौधरी, हासनदाग मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र चौधरी, फरठिया पंचायत समिति सदस्य संजय चौधरी, बिदेशी चौधरी, अंकित गुप्ता, नरेश चौधरी, सत्यप्रकाश चौधरी, कुलदीप ठाकुर, राजकिशोर चौधरी, उदय नारायण चौधरी, संजय यादव, आरती कुमारी, पुष्पा कुमारी, नेहा कुमारी, संजनी कुमारी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता बचनदेव चौधरी ने किया।

पीठासीन अधिकारियों की समिति की 27 अक्टूबर को दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष की तरफ से देश के विधायी निकायों के लिए प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के एकरूप आदर्श नियम तैयार करने के उद्देश्य से गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक 27 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित की जाएगी। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में प्रस्तावित एकरूप आदर्श नियमों से संबंधित प्रारूप रिपोर्ट और उसमें शामिल अनुशंसाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक नई दिल्ली स्थित ताज होटल, सरदार पटेल मार्ग पर उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित होगी। समिति के सदस्य एवं दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता बैठक में स्वागत संबोधन देंगे। बैठक में उत्तर प्रदेश, नागालैंड, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली विधानसभा के पीठासीन अधिकारी एवं प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नावकर, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटानिया तथा कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष गुरुपादमोड़ा सगनगौड़ा पाटिल सहित समिति के अन्य सदस्य और संबंधित विधानसभाओं के अधिकारी शामिल होंगे।

1000 साल बाद इस देश के भाग्य को बदलने का एक अवसर आया है : सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार



जम्मू। विश्व हिंदू परिषद जम्मू कश्मीर ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में पुलिस ऑडिटोरियम जम्मू में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि अशोक जी का जीवन ऐसा था जिसमें बनने की कोई इच्छा नहीं थी। जीवन के अंदर करना ही करना यही मन का भाव था। उन्होंने बनने का सोचा नहीं दायित्वों के बारे में जो काम मिल गया वे उसको करते चले गए। वे संघ के स्वयंसेवक बने, जैसा-जैसा संघ कहता गया वैसा-वैसा वो करते चले गए। इसी भाव को मन में लेकर सारे देश के अंदर 1000 साल बाद इस देश के भाग्य को बदलने का एक अवसर आया है। उस 40 पीढ़ी के लोगों ने बलिदान दिए, जो कष्ट सहे उन सबका स्मरण करते हुए हम सब लोग उनके बलिदान, उनके कष्ट व्यर्थ न जाए, एक सौभाग्य का अवसर जो हमको प्राप्त हुआ है उसके लिए कैसे जीवन जीना तो माननीय अशोक जी का जीवन हम सबके लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने-अपने जीवन को तराशते हुए हम राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कालखंड के अंदर अपनी भूमिका अदा करें। उन्होंने कहा कि एक हजार साल से जो शक्तियां हमसे लड़ रही थीं, धीरे धीरे करके उनको ध्यान में आना शुरू हुआ कि अब उनका वर्चस्व नहीं रहेगा। दो शक्तियां जिसकी चर्चा हुई, पिछले सौ साल में दुनिया के अंदर दो विचार और बड़े वो कम्युनिज्म का और ग्लोबल मार्केट फोर्सेस का। ये सारी शक्तियों को ध्यान में आ गया कि असली चुनौती भारत के अंदर है और इन सब लोगों को ध्यान में आ गया कि अकेले-अकेले हम लड़ नहीं सकते तो मिलकर लड़ेंगे। सारे देश के अंदर 1 हजार साल बाद ये जो हिंदुत्व का भाव जगा है, समाज देश के लिए जीने की इच्छा जगी है, अपने समाज की कमियों को दूर करके एक समरस समाज बनाने का जो भाव जगा है, भारत राष्ट्र का एक मजबूत राष्ट्र के रूप में, देशभक्ति के आधार पर देश खड़ा करने का वातावरण बना है, इसको सब ने टारगेट करना शुरू किया। सारे देश के अंदर हम देखते हैं कि मीडिया, सोशल मीडिया, इस सबके माध्यम से इस हिंदुत्व के वातावरण को कमजोर करने का प्रयास हो रहा है। सारे देश में समाज को जातियों के आधार पर, छोटे-छोटे प्रश्नों के आधार पर बांटने के प्रयास हो रहे हैं। समाज में भ्रम का वातावरण खड़ा करने का प्रयास हो रहा है कि ये हिंदुत्व का आंदोलन पहचानें खत्म कर देगा, ये भाषाएं समाप्त कर देगा। उन्होंने कहा कि भारत के अंदर हिंदू कभी पूजा पद्धति नहीं थी, हमारी सांझी पहचान थी। भारत की पूर्व वैदिक काल से लेकर आज तक की जो यात्रा है, उस यात्रा का समुच्च यानी हिंदू है। भारत में किसी कालखंड में हिंदू पूजा पद्धति नहीं थी, ये अंग्रेजों ने 1881 के अंदर जो पहली जनगणना की उसमें दिखा। 1861 की पहली जनगणना उन्होंने की वो बीच में छोड़ दी, उसमें तीन ही कॉलम थे। एक सेमेटिक रिलिजन ईसाई, मुसलमान, यहूदी। दूसरा इंडो आर्य, पारसी। और तीसरा हिंदू। भारत के अंदर हिंदू कभी पूजा पद्धति नहीं था। हिंदू हमारी एक सांझी पहचान था। इसको तोड़ना था, इसलिए 1881 के अंदर जनगणना जब हुई तो उस जनगणना में पहली बार में उन्होंने कॉलम बनाए- सिख, जैन, बौद्ध, हिंदू। इन सबको उन्होंने अलग कर दिया। उसके साथ आदिवासी। यह जो आज हम कभी-कभी सुनते हैं, हम हिंदू नहीं हैं, सारा उसमें से लिया जा रहा है। मजे की बात है कि 1881 की जनगणना में तो हिंदू भी नहीं था अन्य ही था। विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई, उस स्थापना के समय में मास्टर तारा सिंह भी थे, बौद्ध संत भी थे, जैन संत भी थे, बाकी सब मत संप्रदायों के संत भी थे। सबने मिलकर कहा कि यह हमारी एक सांझी पहचान है। इस हिंदुत्व को कमजोर करने का प्रयास हो रहा है, सारे समाज को छोटी-छोटी पहचानों पर बांटने का प्रयास चल रहा है। एक भ्रम का वातावरण, एक भेद का वातावरण, जातियों के अर्भिवेश खड़े करना, एक जाति से दूसरी जाति, समाज के अंदर आने वाले समय के अंदर ये समाज बांटने वाली शक्तियों के षड्यंत्र, उनके प्रयास बढ़ने वाले हैं। इसलिए समाज को सजग रहना चाहिए।

कोच गंभीर से किया वादा, फिर क्रीज पर दिखाया धैर्य, तिलक वर्मा ने ऐसे दिलाई भारत को जीत

छक्के लगाना आसान था, लेकिन इस मैच में परिस्थितियां काफी मुश्किल थीं

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत की जीत के बाद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि धीमी पिच, बड़े मैदान और तेज बाउंसर के बीच छक्के लगाना आसान नहीं था, इसलिए उन्होंने बड़े शॉट खेलने के बजाय संयम बरतने और मैच को आखिरी तक ले जाने पर ध्यान दिया। तिलक ने कहा कि उन्होंने कोच गौतम गंभीर और सितार्शु कोटक से पारी को गहराई

तक ले जाने का वादा किया था, जिसे निभाते हुए उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मिलकर भारत को एक गेंद शेष रहते जीत दिलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में तिलक वर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि विकेट काफी चुनौतीपूर्ण था। खासकर अगार आगे देखें - बड़ा मैदान, धीमी पिच और जब वे बाउंसर डाल रहे थे, तो गेंद काफी तेजी से आ रही थी।

ऐसे में जब चाहें तब छक्का लगाना आसान नहीं था। पहले मैच में छक्के लगाना आसान था, लेकिन इस मैच में परिस्थितियां काफी मुश्किल थीं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे समय में यह देखना जरूरी था कि हम किस तरह समझदारी से खेलते हैं। तिलक के मुताबिक हम खेल में अपनी फिटनेस लेवल और अपनी मेहनत दिखाना चाहते थे। हमने एक-एक, दो-दो रन के लिए कड़ी मेहनत की और जब भी मौका मिला, हमने छक्के भी लगाए तिलक वर्मा



ने खुलासा किया कि जब नमन धीर बल्लेबाजी कर रहे थे, तब उनका मन भी बड़े शॉट खेलने का कर रहा

था। हालांकि, उन्होंने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितार्शु कोटक से

वादा किया था कि मैच को अंत तक ले जाने की कोशिश करूंगा। तिलक ने कहा कि पिछले मैच में उनका रवैया थोड़ा रक्षात्मक था और वह शुरूआत में सिंगल लेकर पारी को आगे बढ़ाना चाहते थे। इस मैच में भी जब नमन हिट कर रहा था, तब मैंने संभलकर खेला। मैं स्पिनरों के खिलाफ बाउंड्री लगाना चाहता था, लेकिन मैंने संयम बरता और मैच को गहराई तक ले जाने का फैसला किया। इसके बाद जो हुआ, वह भगवान की योजना थी।

नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मैच जिताऊ साझेदारी करने से पहले तिलक वर्मा ने नमन धीर के साथ भी अहम साझेदारी की थी, जिसमें नमन धीर ने 17 गेंदों पर 31 रनों का योगदान दिया था। नीतीश कुमार रेड्डी ने भी तिलक वर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि तिलक तेजी से रन दौड़ने में माहिर हैं और दोनों के बीच तालमेल काफी अच्छा है। नीतीश के मुताबिक, जब नमन धीर आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे, तब तिलक ने अनावश्यक

जोखिम लेने से बचते हुए उन्हें स्ट्राइक देने पर ध्यान दिया। नीतीश ने कहा कि मुझे तिलक के साथ बल्लेबाजी करके काफी अच्छा लगा। वह तेजी से रन दौड़ते हैं और मैं भी तेज दौड़ता हूँ। हमने साथ बल्लेबाजी का खुब आनंद लिया। मैं तिलक की एक बात की खास तौर पर तारीफ करना चाहता हूँ। जब नमन धीर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और तेजी से रन बना रहे थे, तब तिलक ने जोखिम नहीं लिया और उन्हें सिंगल देकर स्ट्राइक दी।